

खसरा/मज़िलस

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में दलिली में खसरे के मामलों और मृत्यु दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसका कारण पछिले वर्षों में **कोविड-19** लॉकडाउन के दौरान मामलों की न्यून रपिर्टगि है।

- वर्ष 2020 और 2021 में कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान, फोकस एवं संसाधन मुख्य रूप से महामारी के प्रबंधन की ओर केंद्रित थे, जिससे खसरे/मज़िलस और अन्य बीमारियों की नगिरानी पर उस स्तर पर ध्यान केंद्रित नहीं किया गया जतिनी कइसकी आवश्यकता थी, जिससे खसरे के मामलों में वृद्धि हुई, साथ ही समाज की कुछ समृद्ध वर्गों में भी टीका स्वीकृति से संबंधित चुनौतियाँ दर्ज़ की गईं।

खसरा:

- परचिय:**
 - खसरा वायरस **मॉर्बिलीवायरस जीनस** से आबद्ध, **राइबोन्यूक्लिक एसडि वायरस** है।
 - करीबी परचितों को संक्रमति कर देगा। खसरा अत्यधिक संक्रामक बीमारी है और इससे संक्रमति व्यक्त प्रायः अपने 90% से अधिके असुरकषति नकिट संपर्कों में वायरस के संचार का करण बनता है।
 - वायरस पहले श्वसन तंत्र को संक्रमति करता है, फरि पूरे शरीर में फैल जाता है। खसरा एक मानव रोग है और यह जंतुओं में नहीं होता है।
 - खसरे को **दो-खुराक वाले टीके के माध्यम से पूरी तरह से रोका जा सकता है** और उन्नत स्वास्थय देखभाल प्रणालियों वाले कई देशों में इसे **आधिकारिक तौर पर समाप्त कर दिया गया है।**
- उपचार:**
 - खसरे के वायरस के लयि कोई वशिषिट एंटीवायरल उपचार मौजूद नहीं है।
 - भोजन से होने वाली गंभीर जटलिताओं से चकितिसीय देखभाल के माध्यम से बचा जा सकता है जो अच्छा पोषण, पर्याप्त तरल पदार्थ का सेवन और नरिजलीकरण का उपचार सुनश्चित करता है।
- रोकथाम:**
 - बच्चों के लयि नियमति भोजन टीकाकरण, उच्च मामले और मृत्यु दर वाले देशों में **बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान** के साथ, वैश्विक भोजन से होने वाली मौतों को कम करने हेतु प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थय रणनीतियाँ हैं।
- भारत में खसरा के मामले:**
 - वर्ष 2017 और वर्ष 2021 के बीच खसरा के मामलों में 62% की गरिवट आई, यानी प्रतदिस लाख जनसंख्या पर मामलों की संख्या 10.4 से घटकर 4 हो गई है।

खसरे से नपिटने हेतु पहलें:

- खसरा और रूबेला पहल:**
 - वर्ष 2001 में शुरु की गई खसरा एवं रूबेला पहल (M&R पहल) **अमेरिकन रेड क्रॉस**, संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन, रोग नयित्रण और रोकथाम केंद्र (CDC), **UNICEF** तथा **WHO** के नेतृत्व में एक वैश्विक साझेदारी है।
 - पहल यह सुनश्चिति करने के लयि **प्रतबिद्ध है कि कोई भी बच्चा खसरे से न मरे या जन्मजात रूबेला सडिरोम के साथ पैदा न हो।** हम देशों को खसरे और रूबेला को हमेशा के लयि रोकने के प्रयासों की योजना बनाने, वतित पोषण करने एवं मापने में सहायता करते हैं।
- खसरा-रूबेला (MR) टीकाकरण:**
 - यह पूरे भारत में लगभग 41 करोड़ बच्चों को लक्षति करता है, **9 महीने से लेकर 15 वर्ष तक की आयु** के सभी बच्चों को उनके पछिले खसरा/रूबेला टीकाकरण की स्थति या खसरा/रूबेला रोग की स्थतिके बावजूद एक खसरा-रूबेला(MR) टीका लगाया जाएगा।
- अन्य पहलों में **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (Universal Immunization Programme- UIP)**, **मशिन इंडरधनुष** और **सघन मशिन इंडरधनुष** शामिल हैं।

प्रश्न. नमिन्लखिति कथनों पर वचिर कीजयि:(2021)

1. एडेनोवायरस में सगिल-स्ट्रैण्डेड डीएनए जीनोम होते हैं, जबकि रेट्रोवायरस में डबल-स्ट्रैण्डेड डीएनए जीनोम होते हैं ।
2. सामान्य सर्दी कभी-कभी एडेनोवायरस के कारण होती है, जबकि एड्स रेट्रोवायरस के कारण होता है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/measles-13>

